भारतीय संगीत

टीप :- संगीत का छात्र संगीत गायन या तबला एवं पखावज या तंत्र वाद में से कोई एक विषय लेकर परीक्षा देगा ।

संगीत गायन या वादन

विषय कोड -[161]

कक्षा 11वीं

समय 3 घंटा　　पूर्णांक 50

इकाई क्रमांक	विषय समाग्री	आवंटित अंक	कालखण्ड
01	सांगीतिक परिभाषा	12	12
02	रागों का शास्त्रीय ज्ञान	5	8
03	टिप्पणी लिखिये	8	5
04	संगीतकारों का जीवन परिचय	5	5
05	स्वरलिपि लिखना	5	8
06	ताल लिपि लिखना	5	12
07	संगीत का इतिहास	5	5
08	निबंध	5	5
	प्रायोगिक	50	120
	योग　　पूर्णांक	**100**	**180**

संगीत गायन या वादन

01	**सांगीत की परिभाषा -** नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, थाट, राग, जाति,वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्ज्यस्वर, विकृतस्वर ग्रह, अंश न्यास, वर्ण, अलंकार की परिभाषा।	12	12
02	**रागों का शास्त्रीय ज्ञान -** यमन, भूपाली, हमीर, देस, बिहाग, भैरवी, भीमपलासी, बागेश्री रागों का विवरण - दोहा, थाट, जाति, स्वर, वादी, संवादी व गायन-समय आरोह-अवरोह, पकड़ की जानकारी ।	5	8
03	**टिप्पणी लिखिये** -ध्रुपद, धमार, ख्याल, लक्षणगीत, ठुमरी, टप्पा और तराना। राग समय सिद्धान्त, सरगम	8	5
04	**संगीतकारों का जीवन परिचय -** तानसेन, स्वामीहरिदास, सदारंग, अदारंग, पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर	5	5
05	**स्वर लिपि लिखना -**	5	8

	रागों के मध्यलय की बंदिश की स्वरलिपि लिखना		
06	**ताल लिपि लिखना –** दादरा, कहरवा, झपताल, एकताल, चौताल, धमार त्रिताल में ठाह, दुगुन लय में लिखना ।	5	12
07	**संगीत का इतिहास –** संगीत का प्राचीन, मध्यकालीन व आधुनिक युग का संक्षिप्त इतिहास	5	5
08	**निबंध–** संगीत से संबंधित सामान्य विषय पर निबंध	5	5
	योग	**50**	**60**

प्रायोगिक

1. **राग**
   निम्नलिखित रागों में सरगम, लक्षणगीत छोटाख्याल (तान सहित) दो बड़ाख्याल आलाप तान सहित) एक ध्रुपद, एक धमार, एक तराना
   यमन, भूपाली, हमीर, देस, बिहाग, भीमपलासी भैरवी, बागेश्री ।
2. **ताल –**
   दादरा, कहरवा, झपताल, तीव्रा, एकताल, चौताल, धमार, त्रिताल में ठाह दुगुन का हाथों से प्रदर्शन ।
3. दो लोकगीत, दो राष्ट्रीयगीत, दो भजन
4. स्वर, राग की पहचान
5. पाठ्यक्रम के रागों का आरोह अवरोह पकड़ करने की क्षमता

<u>प्रायोगिक</u>

1.	इच्छानुसार गाया जाने वाला राग बड़ाख्याल अथवा छोटा ख्याल–आलाप तान सहित	15	
2.	परीक्षक के अनुसार गाया जाने वाला छोटा ख्याल	12	
3.	पाठान्तर – ध्रुपद या धमार दुगुन सहित तराना	8	
4.	ताल ज्ञान – विभिन्न तालों के तालों का हाथ से ताल देकर बोलना ठाहगुन, दुगुन		
5.	स्वर पहचान एवं रोगों की पहचान	5	
	योग	**100**	**180**

तंत्र वाद्य संगीत

	सैद्धांतिक – निम्नांकित में से कोई एक वाद्य परीक्षा हेतु निर्धारित है :– सितार, सारंगी, दिलरुबा, इसराज, वीणा, वायलिन, जलतरंग, सरोद एवं बांसुरी	**50**	**60**
1	सैद्धांतिक में कंठ, संगीत में परिभाषाओं के अतिरिक्त सूत, मीड़ तोड़ा, झाला, गत– मसीतखानी व रजाखानी ।		
2	अपने वाद्य के अंग का संपूर्ण विवरण ।		
	<u>प्रायोगिक</u>	**50**	**120**
1	कंठ संगीत के पाठ्यक्रम के रागों में ही गत आलाप, तान, तोड़ा–झाला ।		
2.	गज वाद्य व बांसुरी, गायन पद्धति के अनुसार कोण, मिजराब से बजने वाले गत, तोड़ा अंग से अभ्यास ।		
	योग	**100**	**180**